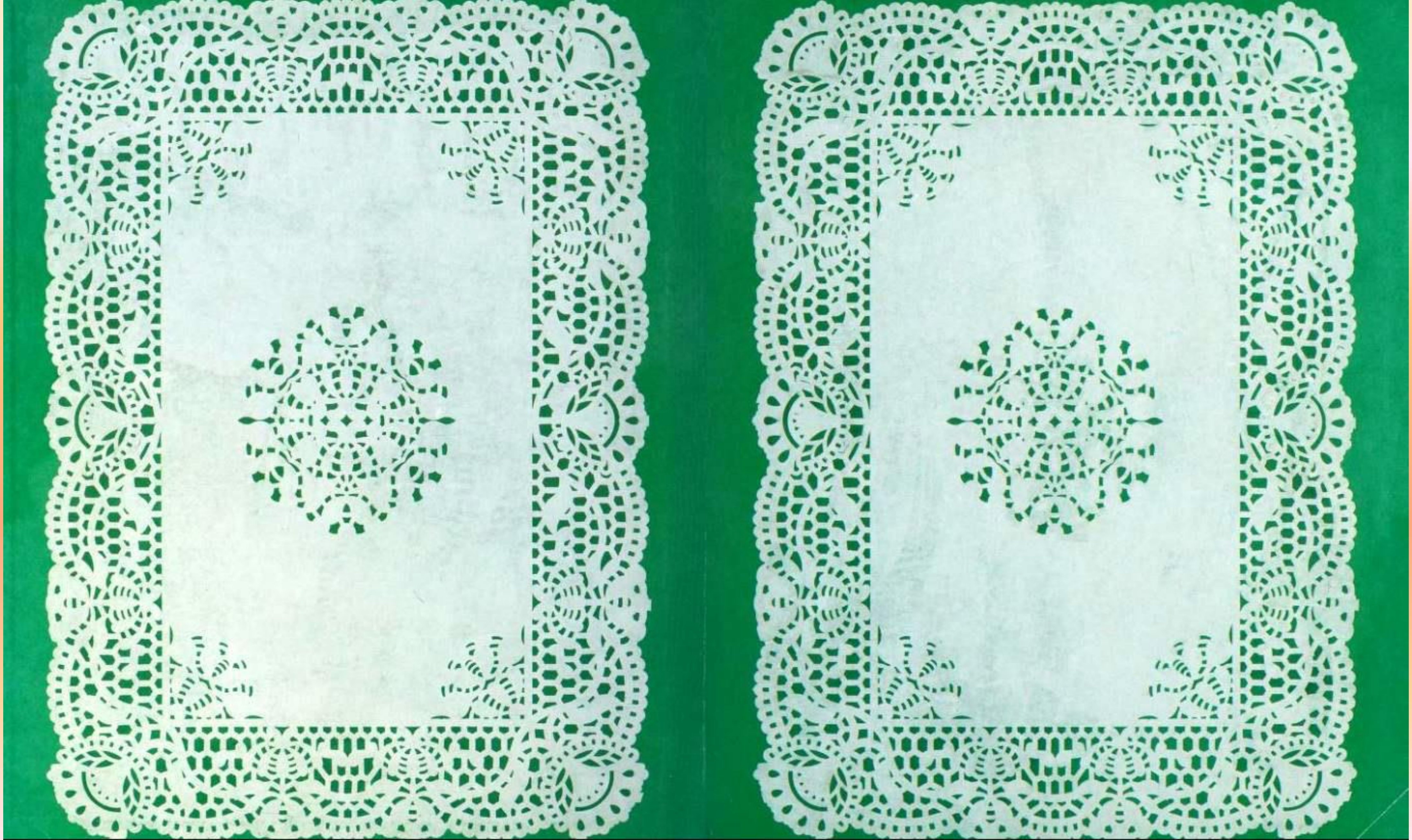
# फियोना की लेस

लेखन व चित्र: पैट्रिसिया पोलैको

भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा







# फियोना की लेस

लेखन व चित्र: पैट्रिसिया पोलैको

भाषान्तर: पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

मिक व एनी ह्यूस्

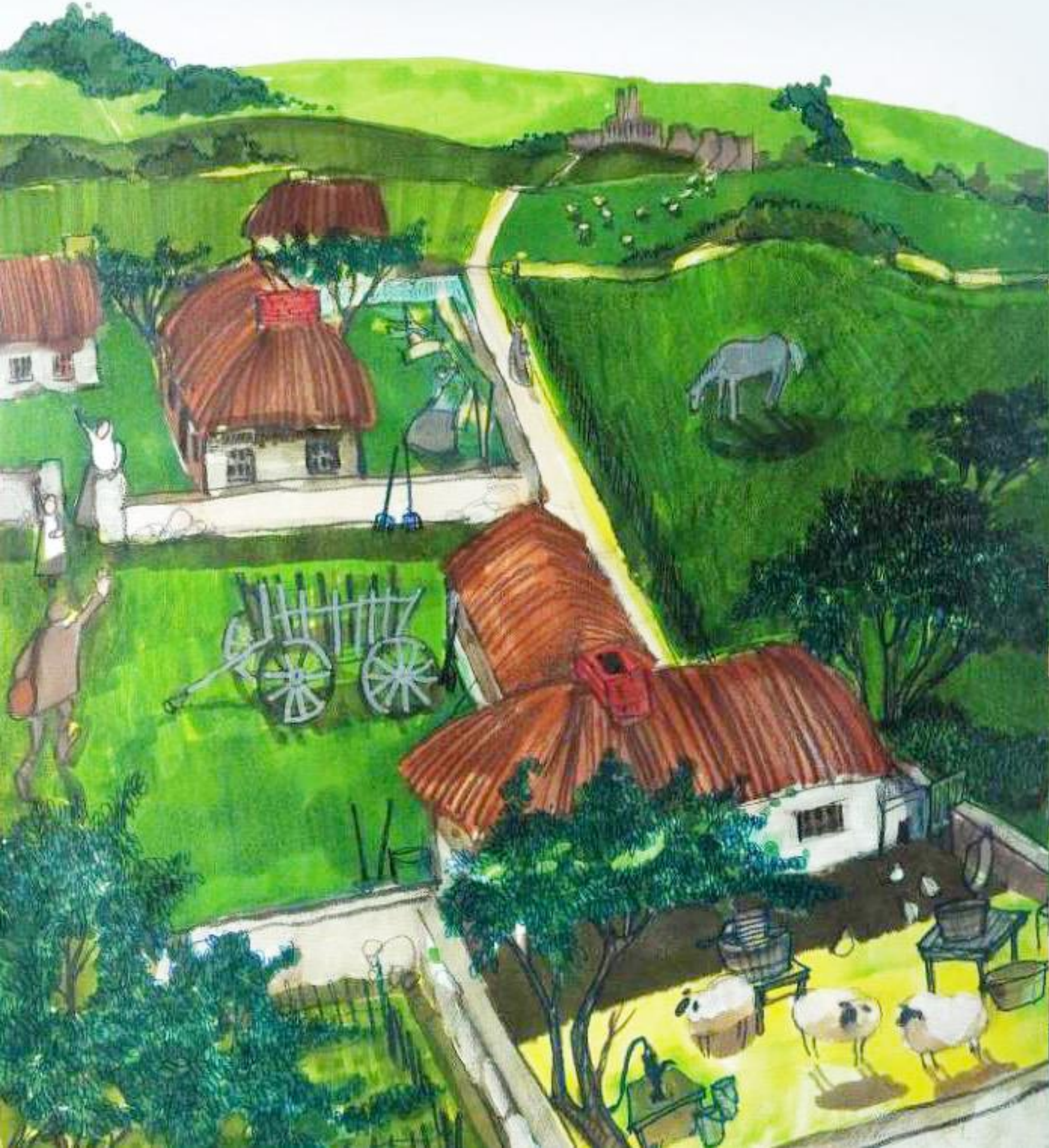
तथा

सभी स्थानों के दमकलकर्मियों के लिए



बहुत सालों पहले मेरे पिता का परिवार आयरलैण्ड के लिमरिक से कुछ मील दूर एक छोटे से गरीब गाँव में रहा करता था। उस गाँव के लोग वहाँ की कपड़ा मिल पर निर्भर थे जो कुछ ही समय में बन्द हो जाने वाली थी। ज़ाहिर है कि सबका भविष्य अनिश्चित था। पर ग्लैन कैरी के रहने वाले, अपने गाँव के अलावा और कुछ जानते ही नहीं थे।

मेरे पिता की दादी फियोना ने उन्हें बताया था कि उनकी एक छोटी बहन भी थी - एलिश। दोनों बहनें हर शाम घर के फाटक के सामने अपने पिता के मिल से घर लौटने की राह देखा करती थीं।





उनकी माँ एनी के हाथ का बना सूप (शोरबा) और डबल रोटी दूर-दूर तक मशहूर था।

ह्यूस् परिवार में रात का खाना दरअसल बेहद स्वादिष्ट हुआ करता था। पर फियोना और एलिश को जो सबसे अच्छा लगता था, वह था खाने के बाद अपने पिता मिक के किस्से सुनना।

''दा (पापा) हमें बताइए ना कि आपने माँ को शादी के लिए कैसे मनाया?'' फियोना ने फुसफुसा कर कहा।

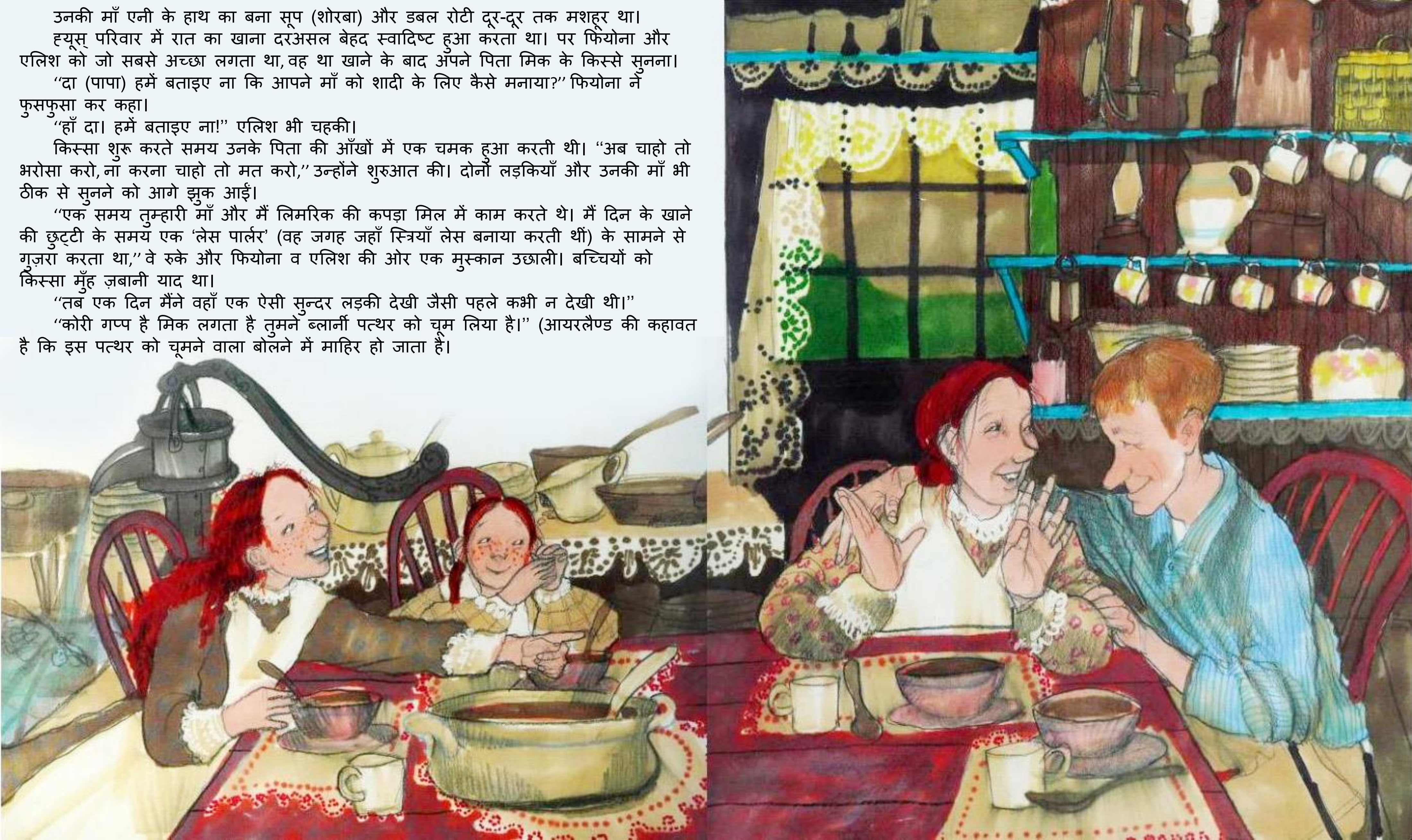
''हाँ दा। हमें बताइए ना!'' एलिश भी चहकी।

किस्सा शुरू करते समय उनके पिता की आँखों में एक चमक हुआ करती थी। ''अब चाहो तो भरोसा करो, ना करना चाहो तो मत करो,'' उन्होंने शुरुआत की। दोनों लड़कियाँ और उनकी माँ भी ठीक से सुनने को आगे झुक आईं।

''एक समय तुम्हारी माँ और मैं लिमरिक की कपड़ा मिल में काम करते थे। मैं दिन के खाने की छुट्टी के समय एक 'लेस पार्लर' (वह जगह जहाँ स्त्रियाँ लेस बनाया करती थीं) के सामने से गुज़रा करता था,'' वे रुके और फियोना व एलिश की ओर एक मुस्कान उछाली। बच्चियों को किस्सा मुँह ज़बानी याद था।

''तब एक दिन मैंने वहाँ एक ऐसी सुन्दर लड़की देखी जैसी पहले कभी न देखी थी।''

''कोरी गप्प है मिक लगता है तुमने ब्लार्नी पत्थर को चूम लिया है।'' (आयरलैण्ड की कहावत है कि इस पत्थर को चूमने वाला बोलने में माहिर हो जाता है।





''सो मैंने उस लेस पार्लर की सारी लड़कियों से चिरौरी की कि वे मुझे उसका पता दें, ताकि मैं उससे मिलने जा सकूँ। पर एक ने भी मुझे घास न डाली। तब एक दिन मिल से निकलने पर मैंने पास ही एक झाड़ पर लेस का एक टुकड़ा बंधा देखा। आगे मुझे पेड़ों, झाड़ों, घरों के चबूतरों, सड़क-बत्ती के खंभों पर लेस के टुकड़े नज़र आए। मैं उसकी लेस को पहचान गया था, सो मैं गली-कूँचों को पार करता उनकी निशानदेही के सहारे बढ़ता गया जब तक उसकी छोटी-सी कुटिया तक न जा पहुँचा। उसके आगे लेस के टुकड़े थे ही नहीं। मैं समझ गया कि यही तुम्हारी माँ का घर है।''

फियोना और एलिश यह सुन ठिठियाने लगीं।



''पखवाड़ा भी न बीता होगा कि मैंने तुम्हारी माँ के सामने अपने प्यार का इज़हार कर दिया। हमारी शादी यहीं सेंट टिमथी गिरजे में हुई। मैं अपनी दुल्हन को इसी घर में लाया, उसे गोदी में उठा इसी दहलीज को पार किया,'' पिता ने हाथ फैला घर की ओर इशारा करते कहा।

''तुम दोनों का जन्म भी यहीं, इसी अलाव के पास हुआ था,'' माँ ने जोड़ा।

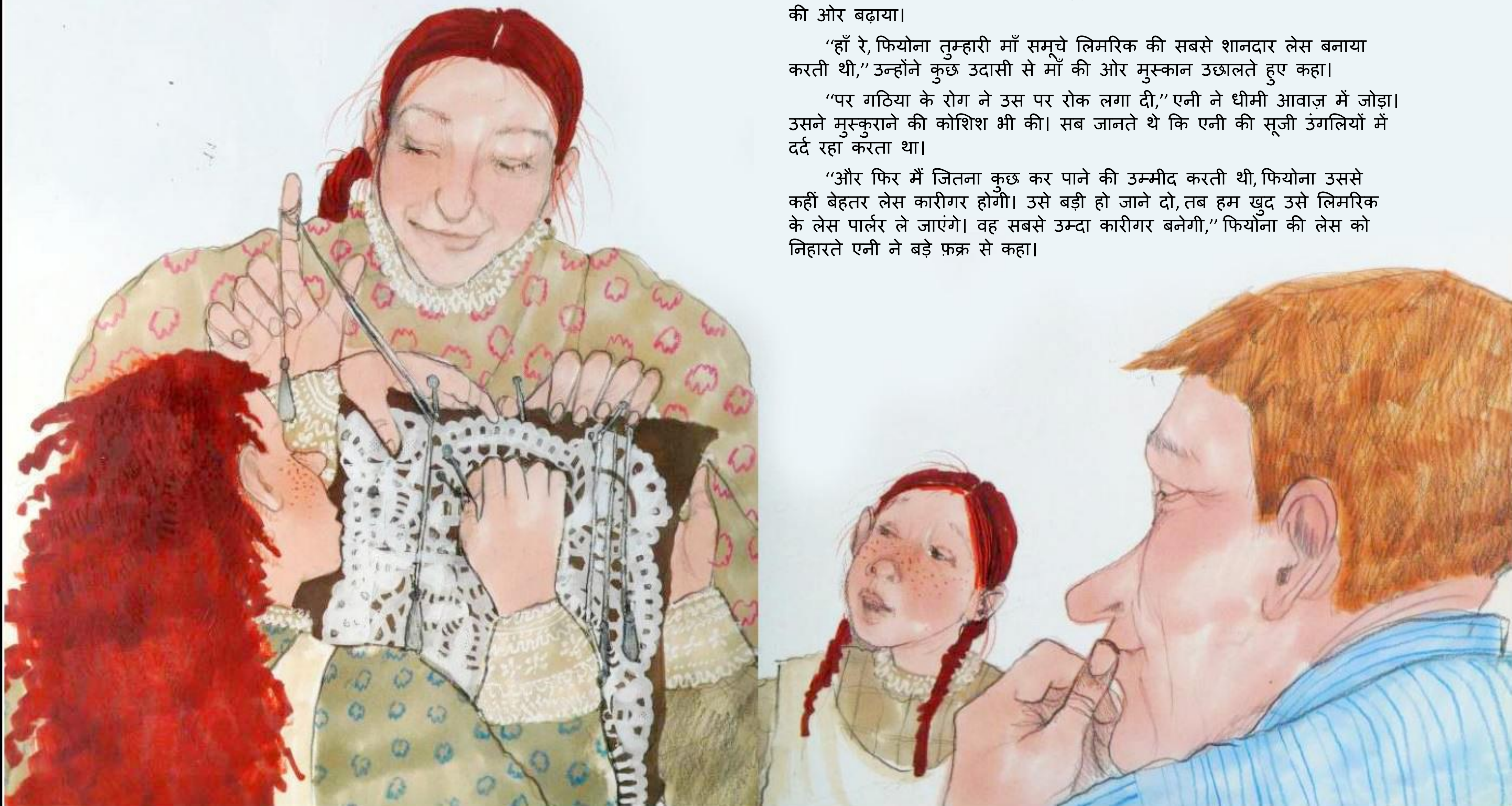
''सोचो ज़रा, लेस की निशानदेही आपको हमारी माँ तक ले आई,'' फियोना ने जैसे सपनों में खोते हुए कहा।

तब हर दिन की तरह फियोना अपनी दिन भर की दस्तकारी पिता को दिखाने लाई। माँ उसे लेस बुनना सिखा रही थी। ''आज माँ ने मुझे अपना खुफ़िया सादा टाँका सिखाया,'' फियोना ने फ़क्र से कहा, और लेस से सजा एक छोटा तकिया पिता की ओर बढ़ाया।

''हाँ रे, फियोना तुम्हारी माँ समूचे लिमरिक की सबसे शानदार लेस बनाया करती थी,'' उन्होंने कुछ उदासी से माँ की ओर मुस्कान उछालते हुए कहा।

''पर गठिया के रोग ने उस पर रोक लगा दी,'' एनी ने धीमी आवाज़ में जोड़ा। उसने मुस्कुराने की कोशिश भी की। सब जानते थे कि एनी की सूजी उंगलियों में दर्द रहा करता था।

''और फिर मैं जितना कुछ कर पाने की उम्मीद करती थी, फियोना उससे कहीं बेहतर लेस कारीगर होगी। उसे बड़ी हो जाने दो, तब हम खुद उसे लिमरिक के लेस पार्लर ले जाएंगे। वह सबसे उम्दा कारीगर बनेगी,'' फियोना की लेस को निहारते एनी ने बड़े फ़क्र से कहा।



यह समय पूरे ही आयरलैण्ड के लिए यह कठिन था, और ग्लैन कैरी में तो हालात और भी ख़राब थे। इसने कई लोगों की आमदनी का आधार ही छीन लिया। कई परिवार अपना जाना-बूझा संसार छोड़ रोज़गार की तलाश में पलायन करने पर मजबूर हो गए।

''हम कहाँ जाएंगे मिक?'' एक दिन एनी से पूछा। वह भारी चिन्ता में थी।

तब एक रोज़ उनकी पड़ोसन श्रीमति ओ'फ्लैरिटी ने पिछवाड़े की बाड़ से झांक कर बात की।

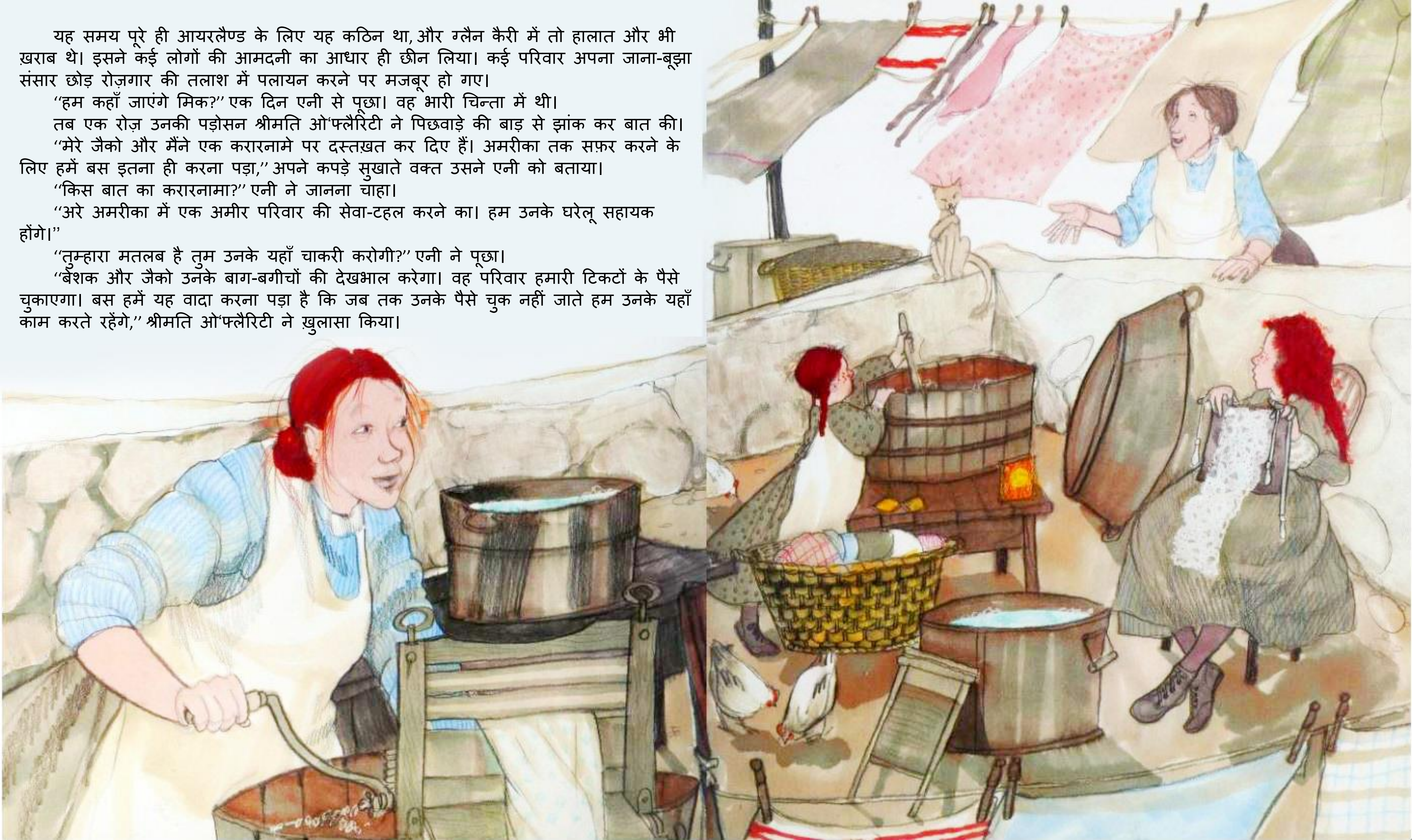
''मेरे जैको और मैंने एक करारनामे पर दस्तख़त कर दिए हैं। अमरीका तक सफ़र करने के लिए हमें बस इतना ही करना पड़ा,'' अपने कपड़े सुखाते वक्त उसने एनी को बताया।

''किस बात का करारनामा?'' एनी ने जानना चाहा।

''अरे अमरीका में एक अमीर परिवार की सेवा-टहल करने का। हम उनके घरेलू सहायक होंगे।''

''तुम्हारा मतलब है तुम उनके यहाँ चाकरी करोगी?'' एनी ने पूछा।

''बेशक और जैको उनके बाग-बगीचों की देखभाल करेगा। वह परिवार हमारी टिकटों के पैसे चुकाएगा। बस हमें यह वादा करना पड़ा है कि जब तक उनके पैसे चुक नहीं जाते हम उनके यहाँ काम करते रहेंगे,'' श्रीमति ओ'फ्लैरिटी ने ख़ुलासा किया।



शाम को एनी ने मिक को यह बताया, वे दोनों देर रात तक इस बारे में बातचीत करते रहे। सप्ताह भर के अन्दर ही वे भी उस एजेन्सी में गए और अमरीका के शिकागो शहर के एक अमीर परिवार के यहाँ काम करने के करारनामे पर दस्तख़त कर आए।

''शिकागो, अमरीका!'' फियोना चीखी। उसने अमरीका के बारे में बहुत कुछ सुन रखा था। एक और वह जोश से भर उठी, पर साथ ही वह उदास भी हो गई। उसे अपने नन्हे से गाँव से बेहद प्यार जो था।

अगले कुछ सप्ताह सबके लिए मुश्किल थे। उन्हें तय करना पड़ा कि क्या साथ ले जाया जाए, क्या छोड़ दिया जाए।

घर में उस आख़िरी रात फियोना और एलिश ने लैप्रिकॉन (काल्पनिक परी-बौने) के लिए एक कटोरे मे दूध रखा। जैसा वे अब तक हमेशा रखती आई थीं।

''फियोना, पता है अमरीका में चाकरों के भी सेवक होते हैं। सड़कों पर सोना मढ़ा होता है। हम वहाँ एक शानदार घर में रहेंगे। काश हम इन नन्हे परी-बौनों को भी साथ ले जा सकते। क्या ले जा सकेंगे?'' एलिश ने अपनी बहन से पूछा।

''नहीं एलिश, वे जंगल में जुड़वाँ लताओं के पास ही ख़ुश रहते हैं...यहीं ग्लैन कैरी में,'' फियोना धीमी आवाज़ में बोली।



अगली सुबह माँ और पिता ने अपने ज़िन्दगी भर के दोस्तों से विदा ली। बुज़ुर्गवार फित्ज़रैल्ड ने छकड़े में आख़िरी पोटलियों को धरने में मदद की। तब पूरा परिवार भी उसमें सवार हुआ।

अपने घर-बार, अपने गाँव को छोड़ते वक़्त उनकी नज़रें पीछे मुड़ हर कुछ को देखती जा रही थीं। तब पहाड़ी के मोड़ पर उनका गाँव झुरमुट के पीछे ओझल हो गया। एलिश और फियोना देर तक सुबकती रहीं। उनकी माँ भी। पर पिता सूनी आँखों से दूर घूरते रहे।

उस रात काफ़ी देर तक और अगले दिन भी कुछ समय तक सफ़र जारी रहा। आख़िरकार बैलफास्ट पहुँच वे सीधे घाट पर गए ताकि अमरीका जाने वाले भाप के जहाज़ पर सवार हो सकें।




जहाज़ घाट छोड़ने लगा था, अपने चहेते आयरलैण्ड को उन्होंने हसरत भरी नज़रों से देखा। एटलांटिक महासार को पार करने में काफ़ी समय लगा। इस दौरान कई सवारियाँ घबराहट और चक्करों से परेशान हुईं। पर समय काटने के लिए फियोना अपनी लेस बनाती रही - गज़ दर गज़।

अंत-तंत वे न्यू यॉर्क के घाट पर पहुँचे। धरती पर कदम धरने को सभी बेताब थे। पर उन्हें उतरते ही समय ज़ाया किए बिना कागज़ी कार्रवाई पूरी करनी थी। यह काम पूरा होते ही वे सीधे रेल स्टेशन गए ताकि शिकागो जाने वाली रेलगाड़ी पकड़ सकें।

रेलगाड़ी में लेटने के लिए फट्टे या चारपाइयाँ तो थी नहीं। सो वे बारी-बारी कठोर सीट पर सोए।

''कम से कम जहाज़ में सोने की जगह तो थी,'' एलिश ने थक कर शिकायत की।

कई दिन गुज़रे। फियोना ने और-और लेस बना खुद को व्यस्त रखा। झटकों, गरमी और गर्द भरा था यह सफ़र। वे अनेक कस्बों और शहरों से गुज़रे। कुछ बार रुकने के बाद वे उतर कर डबलरोटी और पनीर खरीदते। आख़िर एक दिन कन्डक्टर ने ऐलान किया कि वे शिकागो पहुँने वाले हैं।

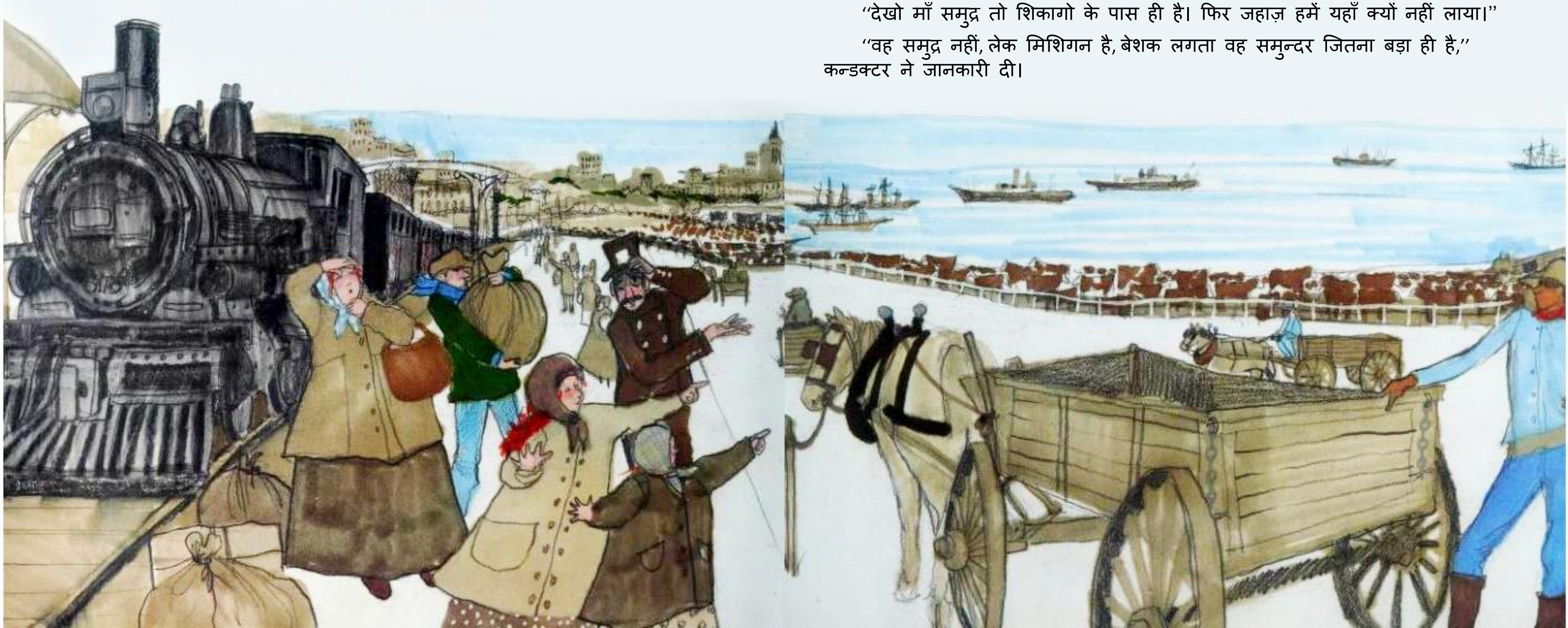
''हम पहुँच गए! पहुँच ही गए!'' एलिश खुशी से चहकी।

रेलगाड़ी अब मवेशियों से अटे मीलों लम्बे इलाके से गुज़र रही थी। उसके पार उन्हें ऊँची इमारतों से भरा शहर नज़र आया।

''मुझे तो लगता है कि ये सारे मवेशी बूचड़खाने में जाने वाले हैं। अमरीका में लोग खाते तो अच्छे से हैं। लगता है हरेक मेज़ पर माँस होता होगा,'' पिता ने गमक कर खुश होते कहा।

''देखो माँ समुद्र तो शिकागो के पास ही है। फिर जहाज़ हमें यहाँ क्यों नहीं लाया।''

''वह समुद्र नहीं, लेक मिशिगन है, बेशक लगता वह समुन्दर जितना बड़ा ही है,'' कन्डक्टर ने जानकारी दी।





शिकागो स्टेशन के बाहर सवारियों को उनके घर पहुँचाने के लिए भाड़े पर मिलने वाली घोड़ागाड़ियाँ थीं। फियोना के पिता ने एक चालक को वह पता दिया जहाँ उनके रहने की व्यवस्था की गई थी।

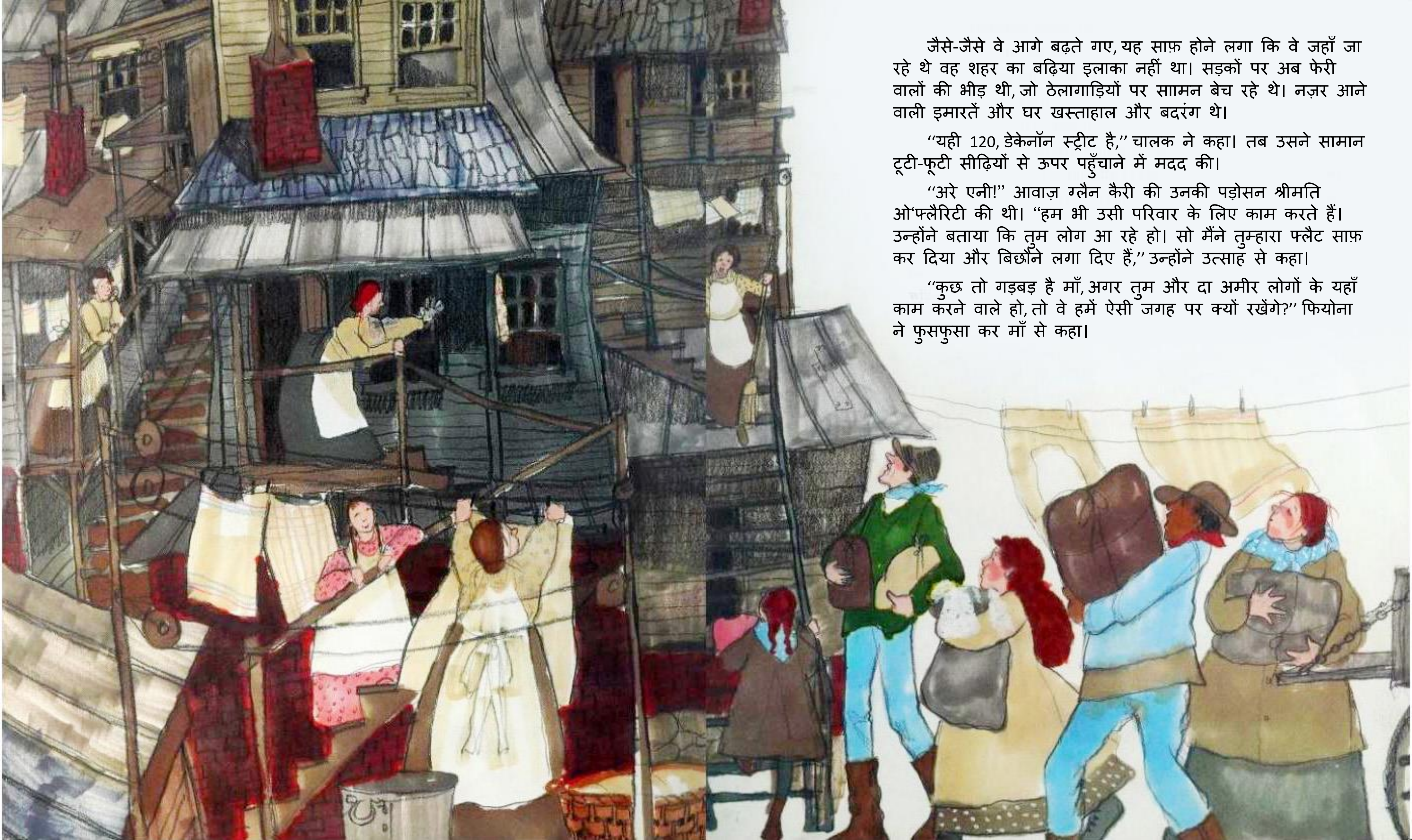
शहर से गुज़रते हुए फियोना को अपनी आँखों पर भरोसा ही नहीं हो रहा था। हरेक इमारत पिछली से ज़्यादा शानदार दिख रही थी। एक के बाद एक उनकी कतारें नज़र आ रही थीं। लकदक कपड़ों में लैस लोगों के हाथ ख़रीददारी से भरे थे।

''उन सुन्दर फ्रॉकों को तो देखो!'' एलिश ने आह भरते कहा।

''शर्त लगे उन पर आयरिश लेस की सजावट है,'' पिता ने जोड़ा।

''क्या हम यहाँ रहेंगे?'' एलिश ने चहक कर पूछा।

''हमारा फ्लैट डेकेनॉन स्ट्रीट पर है। क्या वह पास ही है?'' पिता ने चालक से पूछा। वह मुस्कुरा कर बोला, ''नहीं साहब, वह काफ़ी दूर है।''



जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए, यह साफ़ होने लगा कि वे जहाँ जा रहे थे वह शहर का बढ़िया इलाका नहीं था। सड़कों पर अब फेरी वालों की भीड़ थी, जो ठेलागाड़ियों पर सामन बेच रहे थे। नज़र आने वाली इमारतें और घर खस्ताहाल और बदरंग थे।

''यही 120, डेकेनॉन स्ट्रीट है,'' चालक ने कहा। तब उसने सामान टूटी-फूटी सीढ़ियों से ऊपर पहुँचाने में मदद की।

''अरे एनी!'' आवाज़ ग्लैन कैरी की उनकी पड़ोसन श्रीमति ओ'फ्लैरिटी की थी। ''हम भी उसी परिवार के लिए काम करते हैं। उन्होंने बताया कि तुम लोग आ रहे हो। सो मैंने तुम्हारा फ्लैट साफ़ कर दिया और बिछौने लगा दिए हैं,'' उन्होंने उत्साह से कहा।

''कुछ तो गड़बड़ है माँ, अगर तुम और दा अमीर लोगों के यहाँ काम करने वाले हो, तो वे हमें ऐसी जगह पर क्यों रखेंगे?'' फियोना ने फुसफुसा कर माँ से कहा।

एनी और उसकी बेटियों ने फ्लैट की जम कर साफ-सफाई की जबकि मिक ने खाने-पीने की व्यवस्था की। पुरानी मेज़-कुर्सियों को साथ लाई चादरों-रज़ाइयों से ढ़क कर सजाया। अब उनका दो कमरों का घर कुछ रहने लायक लगने लगा। पर ऐसे घर में वे कभी रहे ही नहीं थे। एक कमरे में बरतन माँजने की जगह और सूखी रसोई थी, दूसरे कमरे में तीन बिस्तर ठंसे थे।

एनी और श्रीमति ओ'फ्लैरिटी एक ही परिवार के रसोई घर में सहायिकाओं काम करती थीं। उन्हें काम पर पहुँचने के लिए तीन बार ट्रॉली बदलनी पड़ती थी।

‘‘मैं पहली तनख़्वाह का बेसब्री से इन्तज़ार कर रही हूँ। बच्चियों को स्कूल शुरू करने के पहले नए जूतों की ज़रूरत है,’’ एनी ने एक रोज़ फ़र्श रगड़ते हुए धीरे से कहा।

‘‘तनख़्वाह!’’ श्रीमति ओ'फ्लैरिटी ने चिढ़ कर कहा। ‘‘तुम्हें पता नहीं, इन लोगों की सेवा-चाकरी की एवज़ में कुछ मिलेगा नहीं। इन्होंने तुम्हारा किराया जो चुकाया था। जब तक वह पैसा चुक नहीं जाता तुम्हें फूटी-कौड़ी तक नहीं मिलने वाली।’’

‘‘याद रखना वे उस चूहेदानी तक का किराया काटेंगे, जहाँ हम रहते हैं - वह इमारत भी इनकी ही है। और काम के समय पहनने को दी गई वर्दी के भी,’’ पैटी हैगर्टी ने कहा, जो साथ काम करती थी।

‘‘तुम्हें कोई दूसरा काम भी तलाशना होगा, जिसे शाम को कर सको प्यारी। हम सब यही करते हैं।’’



ठीक ही कह रही थीं वे। एनी और मिक दोनों ने दूसरे काम तलाशे। मिक बूचड़खाने में लगा, और एनी ने शहर के एक होटल में कपड़े धोने का काम ढूंढ़ा। पर तब एक दिन श्रीमति ओ'फ्लैरिटी ने पोशाकें बनाने वाली एक दुकान के बारे में बताया। ''वे उम्दा आयरिश लेस तलाश रहे हैं। तुम्हारी फियोना की लेस जितनी सुन्दर लेस तो मैंने कभी देखी ही नहीं है,'' उन्होंने तारीफ़ करते कहा।

एनी ने दुकानदार से समय लिया और फियोना और उसकी लेस ले कर ख़रीददारों को दिखाने गई।

ज़ाहिर था कि लेस को देख वे बेहद ख़ुश हुए। उन्होंने फौरन लेस की अच्छी कीमत देने की बात की।

''वह जितनी भी लेस बनाए हम ख़रीद लेंगे।''



जब एनी और फियोना घर लौटे उन्होंने एलिश और मिक को ख़ुशख़बरी सुनाई। तय हुआ कि इस ख़ुशी में एक दावत तो होनी ही चाहिए।

''अब हम जल्द ही अमरीका में घर ख़रीदने लायक पैसे बचा ही लेंगे!'' एनी कमरे में नाचती, जोश से बोली।

''मैंने तो जगह भी सोच ली है। हम उस समन्दर को पार करेंगे जो मिशिगन लेक कहलाता है, और वहाँ ज़मीन ख़रीदेंगे,'' पिता ने उत्साह में गमकते कहा।

''हमारा एक छोटा-सा खेत और कुछ भेड़ें भी होंगी,'' एलिश गुनगुनाई

''उस जगह का नाम भला क्या है दा, जहाँ हम जाएंगे?'' फियोना ने पूछा।

''मिशिगन!'' अपनी बाँसुरी उठाते मिक ने ख़ुशी से कहा।



उस शाम सारे पड़ोसी नाचने-गाने-जश्न मनाने इकट्ठा हुए। कुछ तो फियोना की लेस के टुकड़े थाम नाचे!

''फियोना को बधाई,'' वे कमरे में घूमर लेते गाने लगे।

''इस बच्ची और उसकी लेस ने तो ह्यूस् परिवार को बचा लिया!'' श्रीमति ओ'फ्लैरिटी बोलीं।

''ऊपर वाले की मेहरबानी बनी रहे हम सब पर!'' एनी ने दुआ माँगी।

जश्न अगली सुबह मास (गिरजे की प्रार्थना) तक चलता रहा।

आने वाले महीनों में ह्यूस् परिवार लगातार बचत करता रहा। यह रकम एक खाली चाय के डब्बे में रसोईघर के सबसे ऊपरी आले में रखी जाती थी। अक्तूबर का महीना आया -ऑल हैलोस् ईव (सर्व संत दिवस या हैलोवीन) आने ही वाला था। एक शाम, रात के काम पर निकलने से पहले पिता दोनों बच्चियों को कहानी सुनाने बैठे।

''यह किस्सा पूका का है, जो कोस्टा बावर (मौत का वाहन) पर जुता हुआ भुतहा काला घोड़ा है। बैंशी (मौत के पहले चीखने वाली भूतनी) चीखती है, उन दरवाज़ों पर थपकी देती है जहाँ से उसे आत्माएं ले जानी है,'' पिता यह कहते हुए कांपने का नाटक करते हैं।



''मुझे नहीं सुनना यह किस्सा दा। मुझे तो लेस की निशानदेही वाला किस्सा सुनाइए, जो आपको माँ के पास ले गई थी,'' एलिश अड़ कर बोली।

''प्यारी बिटिया वह तो तुम्हें मुँह ज़बानी याद है!''

''फिर भी वही सुनना है मुझे। ग्लैन कैरी के बारे में सुनना है। मुझे घर की, आयरलैण्ड की याद आती है।''

पिता ने उसकी बात रखी। माँ ने जाने से पहले फियोना और एलिश को गले लगाया, उन्हें सोने की हिदायत देते कहा, ''मेरे नन्हे मेमनों, विश्राम और प्रार्थना का दिन कभी न भुलाना, ख़ुदा से प्यार करना। घर तो दिल में बसता है। जब तक तुम उन लोगों को याद रखोगे जो तुम्हें प्यारे हैं, घर वहीं होगा जहाँ तुम हो!'' तब दोनों काम पर निकल गए।

एलिश तो झट से सो गई पर फियोना घंटों तक मगन हो लेस बनाती रही। जब उसने आँखें ऊपर उठाईं तो खिड़की से रोशनी दिखाई दी। काफ़ी देर हो चुकी थी, तो यह रोशनी भला कहाँ से आ रही होगी?

तब उसे शोर सुनाई दिया, लोग भाग रहे थे। अचानक किसी ने दरवाज़ा भड़भड़ाया।

''यह तो बैंशी भूतनी है ... हमारे लिए आई है!'' गहरी नींद से चौंक कर जाग एलिश चीखी।

तब एक आवाज़ साफ सुनाई दी, ''आग...आग लगी है...बचो, भागो!''

फियोना ने एलिश को जस-तस कपड़े पहनाए। दोनों के शॉल उठाए। बचत की रकम वाला चाय का डब्बा और लेस का थान लिया और रोती हुई बहन को घसीटते हुए फ्लैट से निकल गई।





टूटी-फूटी सीढ़ियों से लगभग लुढ़कते हुए वे नीचे उतरीं और गली में दौड़ गईं।

हर ओर भागमभाग मची थी। लोग चीख-पुकार मचा रहे थे। गली में पलट कर देखने पर आसमान तक उठती लपटें दिखीं। बाकी जगह अंधेरा और धुंआ-धुंआ था। उसी पल दमकल की घंटी, घोड़ों की हिनहिनाहट और टापें भी सुनाई दीं।

''ये तो पूका और कोस्टा बावर हैं!'' एलिश दा की सुनाई डरावनी कहानी को याद कर चीखी।

''नहीं एलिश, ये दमकल गाड़ियाँ हैं। आग बुझाने आई हैं,'' फियोना ने हाथ खींचते उसे समझाया।

''माँ और दा कहाँ हैं? कहाँ हैं वे दोनों? अगर घर जल जाएगा तो हम उन्हें कहाँ ढूंढेंगे?'' एलिश सुबकी।

फियोना ने कोई जवाब नहीं दिया। वे तब तक दौड़ती रहीं जब तक गले में खून का स्वाद न उतर आया।

“हम कहाँ जा रहे हैं फियोना...कहाँ?” एलिश ने हाँफते हुए पूछा।

“हम पलट कर घर की ओर लौट रहे हैं। वहाँ आग बुझाई जा चुकी है, अब वापस नहीं उभरेगी,” फियोना ने जवाब दिया।

“माँ और दा हमें कैसे ढूढेंगे? एलिश फिर से सुबकने लगी।

फियोना ने लेस का थान खोला। कैंची अब भी उसके गले में ही लटकी थी। वह लेस के टुकड़े काटने लगी।

“नहीं फियोना, इतनी सुन्दर लेस...इतनी प्यारी लेस!” एलिश तो मानो पगलाने लगी।

“एलिश यही एक तरीका है। हम लेस की निशानदेही छोड़ेंगे। ताकि माँ और दा हमें तलाश सकें!” फियोना ने बहन को दिलासा दी।







फियोना ने लेस का आखिरी टुकड़ा एक तहख़ाने के दरवाजे पर बांधा, तब दोनों रेंग कर अन्दर घुस गईं।

रात के अंधेरे में घंटों दोनों वहीं दुबकी रहीं।

सुबह की रोशनी के साथ एलिश ने फिर से रोना शुरू कर दिया।

''माँ और दा को अब तक हमें ढूंढ़ लेना चाहिए था...हम तक पहुँच जाना चाहिए था,'' एलिश की रुलाई बढ़ती जा रही थी।

''लेस की निशानदेही उन्हें हम तक ले आएगी। मुझे पक्का भरोसा है एलिश,'' फियोना ने फिर तसल्ली दी।

''अगर इस भयानक आग में वे झुलस गए हों तो? पूरा शिकागो जल कर राख़ हो चुका है...'' एलिश की सुबकियाँ बढ़े जा रही थीं।

उसी पल उन्होंने वह परिचित जुमला सुना।

''मेरे प्यारे नन्हे मेंमनों!''

यह उनकी माँ की आवाज़ थी। माँ और दा दोनों के हाथों में राख़ और कालिख़ से सने लेस के टुकड़े थे।

''हम घंटों से तुम दोनों को तलाश रहे हैं। हम तो हार ही मानने वाले थे,'' माँ ने दोनों को चिपटाते हुए कहा।

''तब हमने देखा...उम्मीद की नन्ही-सी किरण को - तुम्हारी लेस को फियोना। बत्ती के खंभे से बंधे लेस के टुकड़े को,'' पिता ने कहा।

''हम उनके पीछे-पीछे चलते आए...हरेक टुकड़े के पीछे,'' माँ ने जोड़ा।



''और वे हमें तुम तक ले आए...सीधे तुम दोनों तक,'' पिता ने गाल पर लुढ़कते आसुँओं के साथ कहा।

''पर माँ फियोना की लेस बरबाद हो गई। उस पर राख़ और कालिख़ जम गई है,'' एलिश ने अफ़सोस जताया।

''नहीं, नहीं प्यारी बच्ची यह तो दुनिया की सबसे सुन्दर लेस है, बावजूद इस कालिख़ के - इसने तुम दोनों को बचाया है और हमें भी,'' माँ एलिश को चिपटा कर रोने लगीं।

''हम और हमारी बाद आने वाली पीढ़ियाँ इसे सहेजे-संजोएंगे फियोना, हमेशा!''



मिक ह्यूस् सही थे। मेरे पिता के परिवार ने सच में फियोना की बनाई लेस के उन टुकड़ों को पीढ़ियों तक संजोया। उनके परिवार की अधिकतर दुलहनों ने शादी के वक्त उसे या तो अपने घूंघटों पर सजाया, या फिर अपने गुलदस्तों पर बांधा या अपनी शादी की पोशाक पर अपने दिल के क़रीब टांगा।

मैं फियोना की लेस को एक फ्रेम में मंढ़वा कर अपने घर में सम्मान के साथ रखती हूँ। पर सच तो यह है कि मेरे दिल में उसके लिए एक पाक जगह है। क्योंकि जब भी मैं उसके सामने से गुज़रती हूँ

मैं अपने पिता को, उनकी माँ को, अपनी बुआओं-मौसियों को, ताऊ-चाचाओं को और आयरलैण्ड के उन नन्हे परी-बौनों को याद करती हूँ। वे सब उस लेस में समाए हुए हैं।

तब मैं खुद को ख़ुदा का शुकराना अदा करते पाती हूँ। और एनी की उस हिदायत को याद करती हूँ जो उन्होंने अपनी बेटियों को दी थी - घर वहीं होता है जहाँ हमारा दिल बसता है, और वह तब तक आबाद रहेगा जब तक मैं उन सबको याद रखूँगी जिनसे मुझे प्यार है।

शुक्रिया फियोना, तुम्हारी अद्भुत विरासत के लिए शक्रिया! तुम्हारी अनमोल लेस के लिए तहे दिल से शुक्रिया।